



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—संख्या ३—उप-वर्णन (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 382]

नई दिल्ली, वृहस्पतिवार, अक्टूबर 24, 1991/कार्तिक 2, 1913 शक

No. 382] NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 24, 1991/KARTIKA 2, 1913 SAKA

इस भाग में भिन्न प्रकृति संस्था वी आती हैं जिससे यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(नीवहन पथ)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर, 1991

सा. का. नि. 644(अ).—केन्द्रीय सरकार, वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय नीवहन बोर्ड नियम, 1960 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम दत्ताती हैं, अधीत्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय नीवहन बोर्ड (संशोधन) नियम, 1991 है।

2. (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. राष्ट्रीय नीवहन बोर्ड नियम, 1960 के नियम 10 के

स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अधीत्:—

“10. संभद्र सदस्यों से जिन गैर-सरकारी सदस्य—

(क) यात्रा भत्ता:—

(1) रेल द्वारा यात्रा:—

संभद्र सदस्यों से जिन कोई गैर-सरकारी सदस्य जो बोर्ड या उन समिति की बैठक में हाजिर होने के लिए अथवा बोर्ड संबंधी किसी कार्य के संबंध में यात्रा करता है, ऐसे सरकारी कर्मचारी के समान समझा जाएगा जो 2800 रु. प्रति मास और उससे अधिक परत्तु 5100 रु. प्रतिमास से कम बेतन ले रहा होशीर सभी गाड़ियों में (जिसमें राजधानी एक्सप्रेस सम्मिलित है) प्रथम श्रेणी अथवा द्वितीय श्रेणी, वातानुकूलित दो टायर शयनपान द्वारा यात्रा करने का हुकदार होगा :

परन्तु जहां केन्द्रीय सरकार यह समझती है कि किसी गैर-सरकारी सदस्य को प्रथम श्रेणी वातानुकूलित में यात्रा करनी चाहिए तो वह आगे विवेकानुसार ऐसे गैर-सरकारी सदस्य को सभी गाड़ियों में, (जिसमें राजधानी एक्सप्रेस सम्मिलित है) प्रथम श्रेणी वातानुकूलित में यात्रा करने के लिए अनुमति कर

सकती है, यदि यह विधिवत् उसकी राय में निम्नलिखित घटों में से किसी के अनुसार व्यायामसंगत हो:—

- (i) यदि कोई व्यक्ति किसी ऐसे संगठन से संबंधित है या सेवा निवास से पूर्व संबंधित था जिसके नियमों के अधीन वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में यात्रा करने का हकदार है अथवा था ।
- (ii) यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि संबंधित गैर-सरकारी सदस्य का ऐसी यात्रा जो सरकार की ड्यूटी के निर्वहन से संबंधित नहीं है रेल द्वारा वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में करना लक्षित ढंग है ।

(2) सड़क द्वारा यात्रा :

- (i) ऐसे स्थानों के बीच, जो रेल से नहीं जुड़े हैं, सड़क द्वारा यात्राओं के लिए कोई भी सदस्य, किसी ऐसे प्रथम श्रेणी के अधिकारी को जो प्रति मास 2800 रु और उसमें अधिक परन्तु 5100 रु. से कम वेरने के रहा है, अनुज्ञेय सड़क मील भत्ता पाने का हकदार होगा, अर्थात् सार्वजनिक बस का वास्तविक किराया (किसी भी प्रकार की बस नियमों द्विलक्षण, नुपर द्विलक्षण, ऐक्सप्रेस बसें आदि हैं किन्तु वातानुकूल बस को छोड़कर) या अपांत्रिका/स्वयं का स्कूटर/मोटर साइकिल/मोमेंड आदि द्वारा यात्रा के लिए आटो रिक्षा के लिए विहित दर से या पूरी ईक्सी या स्वयं को कार में यात्रा के लिए, दैक्षी के लिए विहित दर में ।
- (ii) उन दशाओं में, जिनमें रेल से जुड़े दो स्थानों के बीच भड़क से यात्रा की जाती है, गैर-सरकारी सदस्य रेल द्वारा प्रथम श्रेणी के किराये तक सीमित विहित सड़क मील भत्ता पाने का हकदार होगा । तथापि यदि किसी व्यष्टिक मामले में केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि सड़क द्वारा यात्रा बोर्ड संबंधी किसी कार्यके संबंध में की गयी थी तो उसे रेल किराएं तक सीमित किए बिना पूरा-पूरा सड़क मील भत्ता अनुकूल किया जा सकेगा ।

(3) समुद्र या नदी स्टीमर द्वारा यात्रा :

समुद्र या नदी स्टीमर द्वारा यात्राओं के लिए गैर-सरकारी सदस्य वास सुविधा की उच्चतम श्रेणी की निम्नतम दर से (भोजन को छोड़कर) एक किराये का हकदार होगा ।

(4) वायुयान द्वारा यात्रा :

- (1) सामान्य अनुक्रम में वायुयान द्वारा यात्रा की अनुकूल नहीं दी जाएगी किन्तु केन्द्रीय सरकार, उस नियमित किसी सामान्य अनुदेश के अधीन रहते हुए, बोर्ड के किसी गैर-सरकारी सदस्य को वायुयान द्वारा

यात्रा करने की मंजूरी उस दशा में देसकती है, जब उसका यह समाधान हो गया हो कि वायुयान द्वारा यात्रा करना बोर्ड संबंधी किसी कार्य के संबंध में अत्यावश्यक है ।

- (ii) जब किसी गैर-सरकारी सदस्य को वायुयान द्वारा यात्रा के प्राधिकृत किया जाता है, वहां, जहां ऐर लाइन पर दो ये एक अर्थात् प्रथम श्रेणी और मितव्ययी (ट्रिस्ट) श्रेणी उपलब्ध हो वह मितव्यय (ट्रिस्ट) श्रेणी का हकदार होगा ।
- (iii) जिन दशाओं में वायुयान द्वारा यात्रा प्राधिकृत को जाता है उनमें गैर-सरकारी सदस्य एक भानक वायुयान किराये का हकदार होगा ।
- (iv) प्रत्येक गैर-सरकारी सदस्य से यह अपेक्षा यही जाएगी कि वह जहां कहीं उपलब्ध हो वापसी टिकट ही खरीदे जब यह आशा की जाती है कि टिकट समाप्ति से पूर्व वापसी यात्रा की जासकती हो, किन्तु जाने तथा वापस आने वाली यात्राओं के लिए मील भत्ता जब ऐसा वापसी टिकट उपलब्ध हो, वापसी टिकट का वास्तविक अर्थ होगा ।
- (v) यदि किसी व्यष्टिक मामले में कोई गैर-सरकारी सदस्य बोर्ड के गैर-सरकारी सदस्य के रूप में अपने कार्यव्यों के संबंध में वायुयान से यात्रा करने की सामान्य अनुकूल की मांग करता है तो केन्द्रीय सरकार ऐसे मामले की गुणानुण के अधार पर जांच कर सकेगी और यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि गैर-सरकारी सदस्य बोर्ड के कार्य से असम्बद्ध किसी कार्य के लिए अभ्यासतः वायुयान से यात्रा करता है, तो गैर-सरकारी सदस्य को अपने विवेकानुसार वायुयान से यात्रा करने की साधारण अनुकूल सेवा की जाती है ।

(ख) दैनिक भत्ता :

- (1) गैर-सरकारी सदस्य, समय-समय पर यथा संशोधित विल मंत्रालय (व्यय विभाग) के कार्यालय आनन्द संख्या 19020/1/84-स्था. 1V तारीख 23-6-86 के पैरा 1 (11) द्वारा विहित दर से दैनिक भत्ता पाने का हकदार होगा ।
- (2) आवासिक मामलों में, जहां कि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो यथा है कि बोर्ड का कार्य ऐसा नियन्त्रण और उत्तरदायित्व पूर्ण प्रकृति का है कि गैर-सरकारी सदस्य को, जितना समय और शक्ति उससे सामान्यतया देने की आशा की जाती

है उससे कहीं अधिक समय और शक्ति देना आवश्यक ही जहां, बैठक की जगह पर रुकने के लिए दैनिक भत्ते की दर को बढ़ाकर अधिक से अधिक 50 रुपए प्रतिदिन तक किया जा सकता है। दैनिक भत्ते की बढ़ी हुई दर बैठक से पहले दिन या आगामी दिन के लिए या दोनों के लिए अनुज्ञेय होगी, यदि गैर-सरकारी सदस्य उस स्थान पर उन दिनों क्षम्भुतः रुकता है।

(3) दैनिक भत्ता समय-समय पर यथासंशोधित अनुनि. 73 में दी गयी आपचारिक शर्तों के अधीन होगा। किन्तु सरकार ऐसी दशाओं में नियम को जिनमें उसके खंड (क) और (ख) में विहित शर्तें पूरी की गई हैं, शिखिल करने के लिए सक्षम होगी।

(4) जब किसी गैर-सरकारी सदस्य को केन्द्रीय सरकार के व्यय पर भोजन और रहने की निःशुल्क व्यवस्था की जाती है तो वह इन नियमों के अधीन उसे अनुज्ञेय दैनिक भत्ते के केवल एक बटा चार भाग का हकदार होगा। यदि केवल निःशुल्क भोजन की व्यवस्था अनुज्ञेय है तो उसे दैनिक भत्ते की अनुज्ञेय दर का आधा भाग ही अनुज्ञेय होगा। यदि केवल निःशुल्क रहने की व्यवस्था ही अनुज्ञेय है तो दैनिक भत्तों की अनुज्ञेय दर का केवल तीन बटा चार भाग ही अनुज्ञेय होगा।

(ग) सवारी भत्ता

(i) कोई गैर-सरकारी सदस्य जो उस स्थान का निवासी है जहां बोर्ड की बैठक होती है, ऊपर पैरा (क) और (ख) में उपर्युक्त मापमानों के अनुसार यात्रा भत्ते और दैनिक भत्ते का हकदार नहीं होगा, किन्तु उसे विस्त भवालय के समय-समय पर यथासंशोधित कार्यालय ज्ञापन संख्या 19020/1/84-स्था. IV तारीख 23-6-1986 के पैरा 1 (ii) में यथा विहित अधिकतम रकम के अधीन रहते हुए सवारी भाड़े की वास्तविक लागत अनुशासन की जाएगी।

(ii) यदि ऐसा सदस्य अपनी कार का प्रयोग करता है तो उसे विस्त भवालय के समय-समय पर यथासंशोधित कार्यालय ज्ञापन संख्या 19020/1/84-स्था. IV तारीख 23-6-1986 के पैरा 1 (ii) में विहित अधिकतम रकम के अधीन रहते हुए अधिक श्रेणी के अधिकारियों को अनुज्ञेय दर से भील भत्ता मंजूर किया जाएगा।

10. (क) संसद सदस्य को संसद जाने वाले भत्ते
(क) यात्रा भत्ता

(1) बोर्ड के कार्य के संबंध में रेल, सड़क, वायुयान या स्टीमर द्वारा भी गयी यात्राओं के लिए संसद सदस्य उसी मापमान पर यात्रा भत्ता पाने का हकदार होगा जो संसद सदस्य वेतन, भत्ता और पेशन अधिनियम, 1954 (1954 का 30) की धारा 4 के अधीन उसे अनुज्ञेय होगा।

(2) संसद सदस्य साधारणतया रेल से यात्रा करेगा और वह अपने उस निःशुल्क प्रथम श्रेणी के रेल पास का प्रयोग करेगा जो उसे जारी किया गया है। वह स्वयंविकासमार वायुयान से भी यात्रा कर सकता है। किन्तु सामान्य अनुक्रम में वायुयान द्वारा यात्रा नहीं की जाएगी तथा अपने विवेक का प्रयोग करने समय सदस्य कार्य की अत्यावश्यकता वह दूरी जहां तक यात्रा की जानी है, उसके पास उपलब्ध समय, आदि वातां को भी ध्यान में रखेगा।

(ख) दैनिक भत्ता

(1) संसद सदस्य बैठक के प्रत्येक दिन के लिए, संसद सदस्यों को समय-समय पर अनुज्ञेय दर से दैनिक भत्ता पाने का हकदार होगा।

(2) जब कभी संसद या कोई संसदीय समिति जिसमें सदस्य सेवारत हो, सत्र में हो तब, सदस्य समिति के किसी कार्य के संबंध में दैनिक भत्ता लेने का हकदार नहीं होगा, क्योंकि वह संसद सदस्य वेतन भत्ता और पेशन अधिनियम, 1954 (1954 का 30) की धारा 3 के अधीन संबंधित संसद सचिवालय में दैनिक भत्ता ने रहा होगा, किन्तु यदि वह यह प्रमाण-पत्र देता है कि संसदीय समिति संबंधी कार्य के कारण वह संसद के सदन या संसदीय समिति के सत्र में उपस्थित होने से निवारित था और उसने संसद सचिवालय से कोई दैनिक भत्ता नहीं निया है तो वह ऊपर यथा उपदिर्णत दैनिक भत्ता लेने का हकदार होगा। यदि किसी संसद सदस्य को केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या स्वशासी ग्राम्योगिक या वाणिज्यिक उपक्रम या निगम या कानूनी निकाय या स्थानीय प्राधिकारी के व्यय पर जिसमें सरकारी निधियां विनिहित की गई हैं या जिसमें सरकार का कोई अन्य हित है, निःशुल्क भोजन और आवास अनुशासन किया गया है तो दैनिक भत्ते का मंदाय संसद सदस्य (यात्रा और दैनिक भत्ता) नियम 1957 के अधीन विनियमित किया जाएगा।

(ग) 108 सरकारी सदस्यों को संदर्भ किए जाने वाले भर्ते

सरकारी सदस्य यात्रा भर्ते और दैनिक भर्ते की मंजूरी के संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा विरचित उन नियमों द्वारा भासित होंगा जो सरकारी कर्तव्यों का निर्वहन करते समय उसे लागू होंगे।

[सं. एस एस 18016/1/90-एस एस]
एस.एन. कक्कड़, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Shipping Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th October, 1991

G.S.R. 644(E).—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the National Shipping Board Rules, 1960, namely:—

1. (1) These rules may be called the National Shipping Board (Amendment) Rules, 1991.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the National Shipping Board Rules, 1960 for rule 10 the following rules shall be substituted, namely:—

“10. Non-official members other than members of Parliament :

(A) TRAVELLING ALLOWANCE :

(1) Journey by rail.—A non-official member other than the member of Parliament, performing the journey to attend the meetings of the Board or its sub-committee or in connection with any work relating to the Board shall be treated at par with Government servants drawing pay of Rs. 2,800 and above but less than Rs. 5,100 per month and shall be entitled to travel by first class or second class A/C 2 tier sleeper by all trains (including the Rajdhani Express) :

Provided that where the Central Government considers that a non-official member should travel by air-conditioned first class they may, at their discretion, allow such non-official member to travel by air-conditioned first class in all trains (including the Rajdhani Express) where this concession in their opinion is justified by either of the following conditions:—

- (i) where a person is or was entitled to travel in air-conditioned first class under the rules of the Organisation to which he belongs or might have belonged before retirement;
- (ii) where Central Government is satisfied that travel by rail in the air-conditioned first

class is the customary mode of travel by the non-official member in respect of journey unconnected with the performance of Government duty.

(2) Journey by road.—(i) In respect of journeys by road between places not connected by rail, a non-official member will be entitled to road mileage admissible to an officer of the first grade drawing pay between Rs. 2,800 and above but less than Rs. 5,100 per month viz. actual fare by public bus (any type of bus including deluxe, super-deluxe, express, etc. but excluding air-conditioned bus) or at prescribed rates for auto-rickshaw for journeys by auto-rickshaw/own scooter/motor cycle|moped, etc. or at prescribed rate for taxi for journeys by full taxi/own car.

(ii) In cases where journeys between two places connected by rail is performed by road, a non-official member will be entitled to the prescribed road mileage limited to first class fare by rail. However, if in any individual case, the Central Government is satisfied that the journey by road was performed in connection with any work relating to the Board, full road mileage allowance may be allowed without restricting to rail fare.

(3) Journey by sea or river steamer.—In respect of journeys by sea or by river steamer, a non-official member shall be entitled to one fare at the lowest rate (exclusive of diet) of the highest class of accommodation.

(4) Journey by air.—(i) Air travel shall not be permitted as a matter of course. The Central Government may, however, subject to any general instructions in this behalf sanction travel by air of any non-official member of the Board where it is satisfied that the air-travel is urgent and necessary in connection with any work relating to the Board.

(ii) A non-official member when authorised to travel by air shall be entitled to economy (Tourist) class where two classes of accommodation, that is, first and economy (Tourist) class accommodation, are available on the air lines.

(iii) In cases where air-travel is authorised, a non-official Member shall be entitled to one standard air fare.

(iv) Every non-official member shall be required to purchase return ticket, wherever it is available, when it is expected that the return journey can be performed before the expiry of the ticket. The mileage allowance for the forward and return journeys when such return ticket is available, shall, however, be the actual cost of the return ticket.

(v) If, in any individual case, a non-official member asks for general permission to travel by air in connection with his duties as a non-official member of the Board, the Central Government may examine the case on merits and grant general permission to the non-official member if the Central Government is satisfied that the non-official member habitually travels by air on journeys to attend work not connected with the work of the Board, to travel by air at his discretion.

(B) DAILY ALLOWANCE :

(1) A non-official member shall be entitled to daily allowance at the rate prescribed vide para 1(ii) of Ministry of Finance, Department of Expenditure Office Memorandum No. 19020|1|84-E. IV, dated 23-6-1986, as amended from time to time.

(2) In exceptional cases, where the Central Government is satisfied that the work on the Board is of such continuous or responsible nature as to necessitate the non-official member devoting far greater time and energy to it than he can be ordinarily expected to spare, the rate of daily allowance for stay at the place of meeting may be increased upto a maximum of Rs. 50 per day. The enhanced rate of daily allowance shall be admissible for the day preceding or the day following the meeting or both, if the non-official member actually stays at the place on these days.

(3) Daily allowance shall be subject to the usual conditions laid down in S.R. 73, as amended from time to time. The Government shall, however, be competent to relax the rule in cases where the conditions prescribed in clauses (a) and (b) thereof are satisfied.

(4) When a non-official member is allowed free board and lodging at the expense of the Central Government, he shall be entitled to only one-fourth of the daily allowance admissible to him under these rules. If only boarding is allowed free, daily allowance shall be admissible at one-half of the admissible rate. If only lodging is allowed free, daily allowance shall be admissible at three fourth of the admissible rates.

(C) CONVEYANCE ALLOWANCE :

(i) A non-official member resident at a place where the meeting of the Board is held, shall not be entitled to travelling and daily allowance on the scales indicated in sub-paras (a) and (b) above, but shall be allowed only the actual cost of conveyance hire, subject to a maximum, as prescribed in para 1(ii) of Ministry of Finance Office Memorandum No. 19020|1|84-E. IV dated 23-6-1986, as amended from time to time.

(ii) If such a member uses his own car, he shall be granted mileage allowance at the rates admissible to officials of the first grade subject to a maximum as prescribed in para 1(ii) of the Ministry of Finance Office Memorandum No. 19020|1|84-E. IV dated 23-6-1986, as amended from time to time.

10A. Allowances to be paid to members of Parliament :**(A) TRAVELLING ALLOWANCE :**

(1) In respect of journeys performed by rail, road, air or steamer in connection with the work of the

Board, a Member of Parliament shall be entitled to travelling allowance on the same scale as is admissible to him under section 4 of the Salary, Allowances and Pension of Members of Parliament Act, 1954 (30 of 1954).

(2) A member of Parliament shall ordinarily travel by rail utilising the free first class rail pass issued to him. He may also travel by air at his discretion. Air travel shall not, however, be resorted to as a matter of course and in exercising his discretion, the member shall take into account factors like urgency of work, distance to be travelled, time at his disposal, etc.

(B) DAILY ALLOWANCE :

(1) A member of Parliament shall be entitled for each day of the meeting, daily allowance at the rate admissible to members of Parliament from time to time.

(2) When the Parliament or a Parliamentary Committee on which the member is serving is in session, the member shall not be entitled to draw any daily allowance in connection with his assignment with the Committee, as he may be drawing his daily allowance under section 3 of the Salary, Allowances and Pension of Members of Parliament Act, 1954 (30 of 1954) from the Parliament Secretariat concerned. However, if he certifies that he was prevented from attending the session of the House of Parliament or the Parliamentary Committee, because of his work connected with the Parliamentary Committee and did not draw any daily allowances from the Parliament Secretariat, he shall be entitled to draw daily allowance as indicated above. When a Member of Parliament is allowed free boarding and lodging at the expense of the Central Government or State Government or an autonomous industrial or commercial undertaking or corporation, or statutory body or a local authority in which Government funds have been invested or in which Government have any other interest, the payment of daily allowance will be regulated under Members of Parliament (Travelling and Daily Allowances) Rules, 1957.

10B. Allowances to be paid to the official members :

An official member shall be governed by the rules framed by the Central Government for grant of travelling allowance and daily allowance as applicable to him while discharging his official duties."

[No. SS. 18016|1|90-SL]

S. N. KAKAR, Jt. Secy.

Note : The Principal Rules were published vide Notification G.S.R. 92, dated 23-1-1960 and have been amended vide Gazette Notifications G.S.R. 1111, dated 24-9-1960 and G.S.R. 1242, dated 22-10-1960.

